नोटिस जारी, लेकिन कार्यवाही गायब, शहर में बढ़ रहा अवैध निर्माण, जवाबदारी भी तय नहीं

"बिना परमिशन के सपनों की प्लॉटिंग, अब अवैध कॉलोनी पर चला नगर निगम का डंडा"

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

शहर में तेजी से फैल रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ आखिरकार नगर निगम ने सख्त तेवर दिखा ही दिए। बिना अनुमति जमीन काटकर बेचने और नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनी विकसित करने वालों पर अब प्रशासन का शिकंजा कसता नजर आ रहा है। इसी कड़ी में कुकड़ा जगत क्षेत्र में विकसित एक कॉलोनी को आधिकारिक रूप से अवैध घोषित कर दिया गया है।

नगर निगम आयुक्त सी.पी. राय ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब "बिना नियमों के कॉलोनी बनाना" न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि ऐसे मामलों में सीधे कार्रवाई भी होगी। यह कदम शहर में फैलते अनियंत्रित शहरीकरण पर लगाम लगाने की दिशा में बड़ा संकेत माना जा रहा है।

कैसे हुआ पूरा खेल?

जांच में सामने आया कि कुकड़ा जगत स्थित भूमि, जिसका खसरा नंबर 13/3 और कुल रकबा 1.7530 हेक्टेयर है, को नियमों की अनदेखी करते हुए छोटे-छोटे प्लॉट में काट दिया गया। इन प्लॉटों का न सिर्फ विक्रय किया गया, बल्कि मौके पर कॉलोनी विकसित कर लोगों को बसाने की कोशिश भी शुरू कर दी गई। इस पूरे मामले में भूमि मालिक श्रीमती पूजा सराठे और श्री भूराप्रसाद डेहरिया की भूमिका सामने आई है। आरोप है कि उन्होंने बिना किसी वैधानिक अनुमति के कॉलोनाइजर की तरह काम करते हुए जमीन का व्यवसायिक उपयोग किया।

6 प्लॉट बिक चुके, खरीदारों की चिंता बढ़ी

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इस अवैध कॉलोनी में अब तक 6 भूखंड बेचे जा चुके हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल उन खरीदारों पर खड़ा हो गया है, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई लगाकर जमीन खरीदी। अब उनकी स्थिति "न घर के, न घाट के" जैसी हो सकती है, क्योंकि अवैध कॉलोनी में खरीदी गई जमीन पर न तो मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी और न ही कानूनी सुरक्षा।

"अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई या 'नोटिस-नोटिस' का खेल? अब समयसीमा तय करने की मांग"

छिंदवाड़ा में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ नगर निगम की हालिया कार्रवाई ने जहां सख्ती का संदेश दिया है, वहीं पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। शहरवासियों का कहना है कि अवैध कॉलोनियों और बिल्डिंगों का फैलाव अचानक नहीं हुआ, बल्कि वर्षों से चली आ रही ढिलाई और अधूरी कार्रवाई इसका कारण है। आरोप है कि कई मामलों में नगर निगम सिर्फ नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी करता है, लेकिन उसके बाद कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली जाती है। इससे "नोटिस-नोटिस खेल" जैसी स्थिति बन गई है, जिसमें अवैध निर्माण रुकने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं। अब इस पूरे मुद्दे में एक नई मांग भी जोर पकड़ रही है नोटिस के बाद कार्रवाई के लिए स्पष्ट समय सीमा तय की जाए। नागरिकों का कहना है कि जब तक कार्रवाई की तय समय-सीमा नहीं होगी, तब तक जिम्मेदारी तय नहीं हो पाएगी और इसी का फायदा उठाकर देरी की जाती है। लोगों के बीच यह धारणा भी बन रही है कि समयसीमा के अभाव में कुछ जिम्मेदार इंजीनियर और कर्मचारी मामलों को लंबित रखकर अनावश्यक देरी करते हैं। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलने की आशंका जताई जा रही है, जहां कथित तौर पर आर्थिक लेनदेन के जरिए मामलों को "सेटल" करने की कोशिश होती है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार उठ रही ऐसी बातें सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल जरूर खड़े करती हैं। शहर में अवैध कॉलोनियों के साथ-साथ बिना अनुमति बनी इमारतों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। बिना नक्शा पास कराए निर्माण और बाद में नियमों को दरकिनार कर मामले को निपटाने की प्रवृत्ति आम होती जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थिति सुधारने के लिए सिर्फ कॉलोनाइजरों पर कार्रवाई काफी नहीं है, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रिया में भी सुधार जरूरी है। इसके लिए नोटिस के बाद निश्चित समय सीमा में कार्रवाई अनिवार्य करना, लंबे समय से जमे कर्मचारियों के तबादले और शिकायतों की पारदर्शी जांच जैसे कदम उठाना जरूरी है। लोगों की अपेक्षा है कि नगर निगम की कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीन पर भी नजर आए।

भाजपा नेता पर रिटायर्ड वेकोलि अधिकारी ने लगाए आरोप

परासिया :- परासिया वार्ड 11 गांधी मोहल्ले में रहने वाले वेकोलि से रिटायर्ड अधिकारी दिनेश चंडोक ने भाजपा नेता पियूष बत्रा पर उनकी जमीन पर कब्जा करने , डराने - धमकाने का आरोप लगाया है । उन्होंने इस मामले में कलेक्टर , एस पी , एस डी ओ पी , तहसीलदार से लिखित शिकायत भी की है ।रिटायर्ड अधिकारी श्री चंडोक ने बताया , कि वार्ड 11 में उनके मकान को तोड़कर पियूष बत्रा के द्वारा कब्जा कर लिया गया है । उनके किराये दारों को किराया न देने के लिए उकसाया जाता है । खुद उन्हें भी सत्ता की धौंस बता कर डराया जाता है । उनके द्वारा इस मामले की शिकायत कलेक्टर , एस पी , एस डी ओ पी और तहसीलदार से शिकायत की है , लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है । इधर भाजपा नेता पीयूष बत्रा ने आरोपों को निराधार बताया है और कहा है , कि दिनेश चंडोक खुद सरकारी जमीन पर कब्जा किए हुए हैं और कई मकान बनाकर लोगों से किराया वसूल रहे हैं । उन्होंने यह भी बताया , कि श्री चंडोक ने खुद अपने रिश्तेदार की जमीन पर कब्जा किया हुआ है , जो मामला न्यायालय में विचाराधीन है । श्री बत्रा ने कहा कि वे शीघ्र ही श्री चंडोक को नोटिस देने वाले हैं ।

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी

अभी तक 1865 किसानों से 6927 मैट्रिक टन गेहूं की खरीदी

छिन्दवाड़ा। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। प्रशासन की सक्रियता, प्रबंधन और निगरानी के चलते किसानों को उपार्जन केंद्रों पर अनुकूल और सुविधाजनक माहौल मिल रहा है, जिससे वे बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेच पा रहे हैं। अब तक 1865 किसानों से कुल 6927 मैट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है, जिसमें से 76 किसानों को लगभग 51.18 लाख रुपये का भुगतान भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है। प्रशासन द्वारा समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिले के 84 खरीदी केंद्रों पर सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खरीदी की जा रही है। अब तक 8023 किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई जा चुकी है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर छाया, पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए केंद्रों पर बारदाना (बोरी), तौल कांटा, गुणवत्ता सर्वेयर, हम्माल, छन्ना और पंखे आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महत्वपूर्ण सूचना एवं अपील - शासन के निर्देशानुसार शनिवार 25 अप्रैल 2026 को भी जिले में स्लॉट बुकिंग और खरीदी का कार्य जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने जिले के पंजीकृत सभी किसान भाईयों से अपील की है कि वे निर्धारित स्लॉट के अनुसार उपार्जन केंद्रों पर पहुंचकर अपनी उपज का विक्रय करें। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के मार्गदर्शन में जिले में गेहूं खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था के साथ किया जा रहा है।

आवारा पशुओं के कारण साप्ताहिक बाजार में दुर्घटना होने के इंतजार में सचिव

सचिव को प्राप्त हो रहा पंचायत इंस्पेक्टर, मुख्य कार्य पालन अधिकारी का खुला संरक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत की मनमानी और हठधर्मिता के चलते साप्ताहिक बाजार में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा तक खतरे में पड़ गई है। लोगों का कहना है कि पंचायत सचिव को वरिष्ठ अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण वे संवेदनशील मुद्दों को भी नजरअंदाज कर रहे हैं।साप्ताहिक बाजार, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण खरीदारी के लिए पहुंचते हैं, वहां अव्यवस्थाओं का आलम साफ देखा जा सकता है। बाजार क्षेत्र में बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। लेकिन सबसे गंभीर समस्या आवारा पशुओं की है, जो खुलेआम बाजार में घूमते रहते हैं और लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं।

दर्जनों की संख्या में मौजूद ये पशु कई बार आपस में लड़ते हैं, जिससे वहां मौजूद लोगों को चोट लगने का खतरा बना रहता है।स्थानीय लोगों के अनुसार, आवारा पशुओं के कारण पहले भी कई छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। पिछले सप्ताह माता मंदिर के पीछे स्थित दुकानों के पास एक महिला और बच्चे को पशुओं की लड़ाई के बीच फंसकर चोटें आई थीं। इस घटना को लेकर समाचार भी प्रकाशित हुआ, लेकिन इसके बावजूद पंचायत प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

ग्रामीणों का कहना है कि आज भी बाजार में वही स्थिति बनी हुई है और आवारा पशुओं की धमा-चौकड़ी जारी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पंचायत सचिव को न तो किसी अधिकारी का डर है और न ही आम जनता की सुरक्षा की चिंता। जबकि साप्ताहिक बाजार की व्यवस्था और निरीक्षण की जिम्मेदारी पंचायत इंस्पेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी की भी होती है, लेकिन उनकी ओर से भी कोई प्रभावी निगरानी नजर नहीं आ रही है।

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बाजार क्षेत्र में व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं, आवारा पशुओं पर नियंत्रण किया जाए और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन पर ही होगी।

नीलगिरी की डाली गिरने से 3 नाबालिक जख्मी

बड़ा हादसा टला, राहगीरों ने दौड़कर बचाई जान, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिंगोड़ी

बस स्टैंड स्थित बालक शाला परिसर में खड़ा नीलगिरी का पुराना और जर्जर पेड़ शुक्रवार को हादसे का कारण बन गया। दोपहर के समय अचानक पेड़ की एक बड़ी डाली टूटकर नीचे गिर गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह डाली पहले पास स्थित 'अमानत बूट हाउस' की छत पर गिरी और फिर सड़क किनारे खड़े एक नाबालिग बच्चे को अपनी चपेट में ले लिया।गनीमत यह रही कि बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। उसे हल्की चोटें आईं, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत प्राथमिक उपचार कराया गया। फिलहाल बच्चे की हालत सामान्य बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि यह घटना स्कूल समय के दौरान होती, तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी।स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बालक शाला में प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कक्षाएं संचालित होती हैं। घटना स्कूल की छुट्टी के बाद हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। लोगों का कहना है कि पेड़ काफी समय से जर्जर स्थिति में था, लेकिन इसकी देखरेख या कटाई को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही सरपंच कपिल ठाकुर मौके पर पहुंचे और ग्राम पंचायत के कर्मचारियों को बुलाकर जेसीबी मशीन की मदद से गिरी हुई डाली को तत्काल हटवाया। उन्होंने आम नागरिकों को आश्वासन दिया कि इस खतरनाक पेड़ को जल्द ही पूरी तरह हटा दिया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

इधर, राहगीरों और दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड क्षेत्र में खड़े पुराने और जर्जर पेड़ों का सर्वे कराया जाए और समय रहते उन्हें हटाया जाए। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

रेलवे जीएम का दौराः जनता ने घेरा, ओवरब्रिज से लेकर ट्रेन स्टॉपेज तक उठी जोरदार मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

चौरई रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार दोपहर उस समय हलचल तेज हो गई, जब दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश विशेष ट्रेन से अधिकारियों की टीम के साथ अचानक निरीक्षण पर पहुंचे। उनके पहुंचते ही स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक और बड़ी संख्या में नागरिकों ने उन्हें घेर लिया और क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को सीधे उनके सामने रख दिया।

माहौल कुछ देर के लिए पूरी तरह "जनता बनाम सिस्टम" जैसा नजर आया।जनप्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपते हुए सबसे बड़ी समस्या अमरवाड़ा रोड स्थित रेलवे फाटक की बताई। दिन में कई बार गेट बंद होने से लंबा जाम लग जाता है, जिससे मरीजों, स्कूली बच्चों और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस पर तत्काल ओवरब्रिज निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई गई।इसके अलावा, चौरई में ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर भी लोगों में नाराजगी दिखी। नागपुर–शहडोल ट्रेन और सिवनी–बैतूल पैसेंजर (58830) का यहां ठहराव नहीं होने से स्थानीय यात्रियों को सीधा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने दोनों ट्रेनों के नियमित स्टॉपेज की मांग रखी।स्टेशन के प्लेटफॉर्म की स्थिति भी चिंता का विषय बनी रही। प्लेटफॉर्म छोटा होने के कारण कई बार ट्रेन के डिब्बे बाहर रह जाते हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर खतरा मंडराता है। प्लेटफॉर्म विस्तार और स्पष्ट साइन बोर्ड लगाने की मांग भी जोर-शोर से उठाई गई।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अब सवाल यही है कि क्या यह दौरा चौरई के विकास की राह खोलेगा या फिर आश्वासन कागजों तक ही सीमित रह जाएंगे।

सड़क की हो रही दुर्गति, आवागमन में परेशानी

पाइपलाइन के नाम पर खोदे जा रहे गड्ढों को काम पूरा होने के बाद भी नहीं किया जा रहा रिपेयर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

बीते वर्ष नगर पालिका द्वारा नगर की सड़कों का कायाकल्प कराया गया था और समूचे नगरी क्षेत्र में डामरीकरण सड़क नगर वासियों को प्राप्त हुई थी अब वर्तमान में नगर पालिका द्वारा अपने द्वारा ही बनाई गई। सड़कों को मिटाने का काम किया जा रहा है। इसका मुख्य कारण नगर पालिका द्वारा नगरी क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जाना है।

नगर पालिका द्वारा वर्तमान में सड़कों को खोदकर पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है कुछ स्थानों पर यह कार्य एक से दो महापुर समाप्त हो चुका है जहां पर पाइपलाइन भी डाली जा चुकी है किंतु इसके बाद भी ठेकेदार द्वारा महीना बीत जाने के बाद सड़क पर रिपेयरिंग कार्य न किया जाना समझ से परे है।

नगर वासियों का कहना है कि ऐसी स्थिति रही तो नगरी क्षेत्र में 6 महीने तक यही काम किया जाता रहेगा और सड़क की रिपेयरिंग नहीं होगी अंत में ठेकेदार काम पूरा करने के बाद सड़कों को खराब स्थिति में ही छोड़कर भाग जाएगा।

पहले सड़क निर्माण उसके बाद पाइपलाइन डालने का काम

नगर की आम जनता का कहना है कि यदि नगर पालिका द्वारा सड़क खोदकर पाइपलाइन डाली जानी थी तो फिर सड़क की मंजूरी क्यों दी गई महज 1 वर्ष भी पूरा नहीं हुआ और पाइपलाइन डालने का नया प्रस्ताव कैसे तैयार हो गया क्या नगर पालिका को यह ज्ञात नहीं था कि करोड़ों की लागत से बनी सड़कों को खोदकर पाइपलाइन डाला जाना है यदि यह पूर्व से ज्ञात था तो फिर सड़क बनाकर आम जनता के पैसों को क्यों बर्बाद किया जा रहा है फिलहाल नगर वासियों का कहना है कि नगरीय क्षेत्र में वार्ड क्रमांक दो श्रद्धा लान के पास पाइपलाइन डालने का कार्य पूरा हो चुका है किंतु नगर पालिका द्वारा अब तक सड़क रिपेयरिंग का कार्य नहीं किया गया है जिसके चलते नगर वासियों को आवागमन में असुविधा हो रही है।

इनका कहना है

ठेकेदार द्वारा वर्तमान में पाइप लाइन डाली जा रही है इसके उपरांत टेस्टिंग की जाएगी उसके बाद सड़क की मरम्मत का कार्य ठेकेदार द्वारा ही किया जाएगा।

नेहा धुर्वे
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
जुन्नारदेव

स्मृति संगीत समारोह आज 25 से

छिंदवाड़ाः श्री शालिगराम विश्वकर्मा सांस्कृतिक कला समिति के सचिव राजेश विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले बसंत उत्सव एवं सरस्वती जयंती स्व.श्री शालिगराम विश्वकर्मा स्मृति संगीत समारोह का यह 61 वॉ वर्ष हैं इस अवसर पर आज दिनांक 25 अप्रैल 2026 को स्थान सतपुड़ा लॉ कॉलेज मोहन नगर छिन्दवाड़ा में समय शाम 7:30 बजे से श्री केशव हर्षे भोपाल सितारवादन प्रस्तुत करेंगे ,श्री रवि सातफले नागपुर तबला संगत करेंगे एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त उस्ताद अकरम खाँ दिल्ली तबला सोलो वादन करेंगे इनके साथ लहरें पर संगत श्री संदीप गुरमुले नागपुर करेंगे। साथ ही शहर के सामान्य एवं दिव्यांग छात्र भी संगीत की प्रस्तुति देंगे ।

एचएमएस ने जताया आभार, लंबे प्रयासों के बाद मिली मंजूरी से फिर शुरू होगा कोयला उत्पादन

मुआरी खदान को मिली अनुमतिः श्रमिकों में खुशी की लहर, बावरिया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

वेकोलि के कन्हान कोयला क्षेत्र में पर्यावरण विभाग से अनुमति नहीं मिलने के चलते लंबे समय से बंद पड़ी मुआरी कोयला खदान फिर शुरू होगी ।

खदान शुरू करने के लिए पर्यावरण विभाग की अनुमति मिल गई है । जिसके लिए श्रमिक संगठन एच एम एस ने पूर्व विधायक ताराचंद बावारिया के प्रति आभार व्यक्त किया है ।

संगठन के पदाधिकारियों का कहना है , कि विभाग से अनुमति दिलाने के लिए पूर्व विधायक लगातार प्रयास करते रहे थे ।शुक्रवार 24 अप्रैल को कोयला श्रमिक सभा एचएमएस पेंच क्षेत्र के अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी एवं महामंत्री राहुल पाल सहित क्षेत्र एवं शाखा समिति के सम्मानित पदाधिकारियों द्वारा मुआरी खदान को पर्यावरण विभाग से अनुमति प्रदान करवाने में पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया के अथक प्रयासों के लिए संगठन ने उनके घर पहुंच कर पुष्प माला पहना कर उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया ।

ज्ञात हो , कि मुआरी खदान को पर्यावरण विभाग द्वारा संचालन की अनुमति न मिलने कारण लंबे समय से खदान में कोयला उत्पादन बंद था । साथ ही कामगारों का अन्य जगह स्थानांतरित भी किया गया था । जिस संदर्भ में कोयला श्रमिक सभा एचएमएस द्वारा पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया से उक्त विषय में हस्तक्षेप कर संबंधित मंत्रालय द्वारा खदान को संचालन के लिए अनुमति प्रदान करवाने हेतु आग्रह किया गया था ।

पूर्व विधायक के द्वारा मंत्रालय स्तर पर किए गए उनके पत्राचार एवं अथक प्रयासों के फल स्वरूप खान संचालन हेतु पर्यावरण विभाग द्वारा अनुमति प्रदान की गई है । जिसके लिए एचएमएस संगठन एवं क्षेत्र के समस्त कोयला कामगारों द्वारा श्री बावरिया का आभार व्यक्त किया गया ।

रेलवे डीआरएम ने जामसांवली हनुमानजी के किए दर्शन

रेल मार्ग के दोहरीकरण,नई ट्रेनों की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने शुक्रवार को सपरिवार सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर (हनुमान लोक), जामसांवली धाम पहुँचकर हनुमान जी के दर्शन किए। इस दौरान उनके साथ नागपुर मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम दीपक कुमार गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मंदिर संस्थान की ओर से भाजपा जिला अध्यक्ष एवं ट्रस्टी संदीप मोहोड़, सचिव टीकाराम कारोकर,पूर्व जोनल रेलवे सदस्य श्री विजय धवले ने महाप्रबंधक का स्वागत किया। मंदिर प्रबंधन द्वारा उन्हें हनुमान जी की श्रीमूर्ति की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया गया। दर्शन

के उपरांत महाप्रबंधक श्री तरुण प्रका ने सौंसर रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया।

उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया यात्री सुविधाओं के विस्तार के संबंध में कड़े निर्देश दिए। भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप मोहोड़ और पूर्व जोनल सदस्य विजय धवले ने क्षेत्र की रेल समस्याओं और विस्तार पर चर्चा की गई। साथ ही माग पत्र सोपा है जिंसमे इतवारी-छिंदवाड़ा-नैनपुर-मंडला फोर्ट ब्रॉडगेज रेल मार्ग के दोहरीकरण की मांग, ताकि ट्रेनों का परिचालन त्वरित और सुरक्षित हो सके।

सौंसर स्टेशन पर कोच डिस्प्ले बोर्ड लगाने और यात्री शेड का विस्तार करने, छिंदवाड़ा से इतवारी के बीच दोपहर में एक ट्रेन चलाने, छिंदवाड़ा के रास्ते इतवारी से भोपाल के बीच नई एक्सप्रेस ट्रेन,सौंसर स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर को रविवार के दिन भी चालू रखने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक को अवगत कराया कि जामसांवली धाम में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित देशभर से श्रद्धालु आते हैं, जिनके लिए सौंसर स्टेशन मुख्य द्वार है। महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और यात्री सुविधाओं में सुधार व

किसानों का 12 वर्षों का संघर्ष लाया रंग मोहगांव जलाशय के किसानों की जीत

सौंसर। मोहगांव जलाशय परियोजना से प्रभावित किसानों के धैर्य और 12 साल लंबे संघर्ष की आखिरकार जीत हुई है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भू-अर्जन अधिनियम 2013 के प्रावधानों को लागू करने और विशेष पुनर्वासन पैकेज की घोषणा के बाद क्षेत्र के किसानों में हर्ष की लहर है। इस फैसले से न केवल मोहगांव बल्कि पूरे प्रदेश के प्रभावित किसानों को लाभ मिलेगा। किसानों के एक दल ने किसान नेता सुदामा मानमोड़े के नेतृत्व में पांढुर्ना में कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ से मुलाकात करते हुए अपनी बातें रखी।मिली जानकारी के अनुसार किसान पिछले 12 वर्षों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत थे। सरकार के ताजा निर्णय के बाद अब किसानों को निम्नलिखित लाभ प्राप्त होंगे जिंसमे चार गुना मुआवजा ग्रामीण क्षेत्रों में भू-अर्जन अधिनियम 2013 के अनुसार बाजार मूल्य से चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। विस्थापितों के लिए स्पेशल पुनर्वासन पैकेज और मुद्रांक शुल्क में छूट का लाभ मिलेगा।कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि मोहगांव के किसान इन लाभों के लिए पूरी तरह पात्र हैं।शुक्रवार को किसान प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर अपनी मांगों का मांग पत्र सौंपा है।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि चूंकि मोहगांव के किसानों ने अपने अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया है, अतः वे इस नए नियम के तहत लाभ पाने के पात्र हैं और उन्हें निश्चित ही इसका लाभ दिया जाएगा।सुदामा मनमोडे ने इस ऐतिहासिक निर्णय पर खुशी जाहिर करते हुए प्रदेश और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ शासन-प्रशासन का धन्यवाद अदा करते हुए कहा कि यह जीत उन सभी पीड़ित किसानों की है जिन्होंने एक दशक से हार नहीं मानी थी। आखिर में किसानों की मेहनत रंग लाई और उन्हें जीत मिली है।

वनाधिकार पट्टों को लेकर कलेक्टर से मिले विधायक

सौंसर। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमला और ग्राम संगम के किसानों की वर्षों पुरानी पट्टा संबंधी समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक विजय चौरे ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर नीरज वशिष्ठ से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने किसानों को लंबे समय से कृषि भूमि के पट्टे न मिलने के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। विधायक विजय चौरे ने कलेक्टर को बताया कि वनग्राम आमला के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के किसान लगभग 50 वर्षों से एक से डेढ़ एकड़ भूमि पर खेती कर रहे हैं। इसी तरह ग्राम संगम (हेटी) के आदिवासी किसान भी 30 वर्षों से अधिक समय से वहां निवासरत हैं और कृषि कार्य कर रहे हैं। विडंबना यह है कि इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी इन किसानों को आज तक भूमि के पट्टे आवंटित नहीं किए गए हैं। पट्टा न होने के कारण ये किसान शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और मिलने वाली सुविधाओं से पूरी तरह वंचित हैं।विधायक श्री चौरे ने इस विषय को किसानों के भविष्य से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा बताया और जिला प्रशासन से इस पर त्वरित संज्ञान लेने का आग्रह किया। कलेक्टर नीरज वशिष्ठ ने किसानों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए आश्वस्त किया।इस दौरान डॉ. राजेंद्र येमदे,विट्ठल गायकवाड़, प्रशांत महाले आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

शादी का लक्ष्य सौ , अब तक फार्म जमा करीब 140

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 14 मई को सामूहिक विवाह होना है । जिसके लिए परासिया विधानसभा में 100 विवाह कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित है । अब तक सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों से शादी के लिए करीब 140 आवेदन फार्म जमा हो चुके हैं । इनकी संख्या अभी और बढ़ने की उम्मीद है । मुख्य मंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह संपन्न कराने को लेकर बीते समय जनपद सभागार में एक बैठक हुई थी । जिसमें विवाह कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार हुई । निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन आने पर पहले आओ - पहले पाओ के आधार पर निर्णय लेना भी तय हुआ ।

शुक्रवार 24 अप्रैल तक लगभग 140 फार्म जमा हो चुके हैं , लेकिन यह तय है , कि विवाह 100 लोगों के ही होना है , ऐसे में सवाल उठता है , कि 100 के बाद आने वाले आवेदनों का क्या होगा । देखने में आ रहा है , कि अभी भी ग्राम पंचायतों से शादी के लिए आवेदन आ रहे हैं ।

हालांकि ये भी पता चला है , कि पंचायतों में लोगों को लक्ष्य के अनुसार आवेदन जमा होने को जानकारी दी जा रही है , बावजूद इसके शायद शासन की ओर से लक्ष्य बढ़ाया जा सकता है , इसी उम्मीद में लोग आर्थिक व्यय कर अपने दस्तावेज तैयार कर रहे हैं । जो लोग पात्र होने के बावजूद विवाह से वंचित होते हैं , उन्हें

पोषण आहार पखवाड़ा का हुआ समापन

छिंदवाड़ा । मोटे अनाज की उपयोगिता को जन जन तक पहुंचाने के लिए महिला एवं बाल विकास ग्रामीण परियोजना के ग्राम मारई मे पोषण आहार पखवाड़ा पर जागरूकता कार्यक्रम परियोजना अधिकारी श्याम सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन मे किया गया ।इस अवसर पर जन अभियान परिषद के परामर्शदाता श्यामल राव ने बताया की पोषण आहार के महत्व को जानने आये सी एम सी एल डी पी के छात्र एवं ग्रामीण महिलाओं को बताया की आज के आधुनिक युग में जंक फुड के सेवन से मानव जीवन के स्वास्थ पर दुष्प्रभाव देखा जा रहा हे, यदि मोटे अनाज मे हम कुटकी, कोदो. चना .सवा .ज्वार .बाजरा जैसे फसलों का सेवन करते हैं तो यह शरीर के लिए लाभकारी होता हैं। मोटे अनाज से बने भोजन के फायदे बताते हुए कहा कि मानव जीवन के स्वास्थ को सुरक्षित रखना हो तो फास्ट फूड से हटकर मिलेट्स से बनाया गया।

अस्पताल की लापरवाही का शिकार हुआ कोटवार

कोटवार संगठन ने दोषियों पर कार्रवाई के लिए सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

तहसील के ग्राम जाम निवासी एक कोटवार के साथ हुई चिकित्सकीय लापरवाही को लेकर कोटवार संगठन में भारी आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को मध्य प्रदेश आजाद कोटवार कर्मचारी संघ सौसर के अध्यक्ष अजय गजभिये,जीवनलाल शेंडे, के साथ परिजनों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रशासन को ज्ञापन सॉप कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

कोटवार संघ के पदाधिकारी ने बताया किगत 22 अप्रैल को ग्राम जाम निवासी कोटवार दीनबंधु को सुबह खेत में काम करते समय एक जहरीले सांप ने काट लिया था। परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल सौंसर लेकर पहुंचे।परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉ अभिषेक तिवारी,नर्स श्रीमती कुरोठे ने पीड़ित को सांप काटने का इंजेक्शन लगाने से साफ इनकार कर दिया।

पीड़ित चिल्लाता रहा कि उसे सांप ने काटा है और घाव से खून भी निकल रहा है, लेकिन डॉक्टरों ने यह कहकर टाल दिया कि रुतुम्हें जहरीले सांप ने नहीं काटा है।दोपहर 2 बजे तक उचित उपचार के अभाव में पीड़ित तड़पता रहा। जब स्थिति बिगड़ने लगी, तो अस्पताल स्टाफ ने रेफर रिपोर्ट देने में भी काफी समय बर्बाद किया और एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं कराई। फिलहाल दीनबंधु की हालत गंभीर बनी हुई है,एक प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू में जीवन-मौत की जंग लड़ रहे हैं।

कोटवार संघ और परिजनों के द्वारा सोपे ज्ञापन में आवेदक जीवनलाल शेंडे ने प्रशासन से मांग की है कि इलाज में लापरवाही बरतने वाले पर कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाए।पीड़ित की आर्थिक स्थिति को देखते हुए इलाज के लिए तत्काल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

अतिक्रमण पर कार्रवाई जारी, रायल चौक और जेल बगीचा में हटाया गया अतिक्रमण

छिन्दवाड़ा। नगर निगम आयुक्त श्री सी.पी. राय के निर्देशानुसार शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में रायल चौक स्थित मदीना मस्जिद के पास प्राप्त सीएम हेल्पलाइन शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए निगम की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमण हटाया गया। इस कार्रवाई के बाद शिकायत का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर, जेल बगीचा क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों द्वारा बांस, बल्लियों, तिरपाल एवं नींव खोदकर अवैध अतिक्रमण करने का प्रयास किया जा रहा था। सूचना मिलते ही अतिक्रमण दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और अवैध निर्माण को हटा दिया। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

नगरपालिका कार्यालय में स्थापित की गई वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

नगरपालिका परिषद वारासिवनी द्वारा जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने कार्यालय परिसर में वर्षा जल संचयन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित की गई है। इसके साथ ही निकाय क्षेत्र के शासकीय कार्यालयों को भी पत्र जारी कर अपने-अपने भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली निर्माण कराने का अनुरोध किया गया है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि अभियान के अंतर्गत नवीन जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन, पुराने जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं मरम्मत, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल वितरण प्रणाली की स्वच्छता, नगरीय निकायों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, ग्रीष्मकाल में प्याऊ व्यवस्था तथा हरित क्षेत्र विकास जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के सफल संचालन हेतु नगरपालिका द्वारा दैनिक गतिविधि कैलेंडर तैयार किया गया है। अभियान का शुभारंभ 19 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के दिन किया जा चुका है, जिसके बाद से निकाय क्षेत्र में तालाबों के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य निरंतर जारी है।

उन्होंने बताया कि नगरपालिका द्वारा लगभग 17 शासकीय कार्यालयों को पत्र भेजकर वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने का आग्रह किया गया है। जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सभी वार्डों में वार्ड प्रभारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं। अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों के फोटो प्रतिदिन पोर्टल एवं गूगल लिंक पर अपलोड किए जा रहे हैं।

एड डॉ संजय खोबरागड़े की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि दामोदर यादव, इंजी सतेंद्र विद्रोही व एड सुरेन्द्र बारमाटे होंगे विशिष्ट अतिथि

अक्षरा घोड़ेश्वार का 26 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की जयंती समारोह नांदी में होगा सम्मान

डॉ. बाबासाहब अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर होगा विशाल प्रतिमा का अनावरण, उपरांत फैजान ताज की होगी कव्वाली

हरिभूमि न्यूज बालाघाट ।

तहसील मुख्यालय कटंगी से 10 किलोमीटर दूर ग्राम नांदी में परम पूज्य डॉक्टर बाबासाहब अंबेडकर की 135 वीं जयंती समारोह मुख्य अतिथि दामोदर यादव (राष्ट्रीय अध्यक्ष दलित पिछड़ा आदिवासी संगठन) ,कार्यक्रम अध्यक्ष अधिवक्ता डॉ संजय खोबरागड़े (जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट,) प्रमुख अतिथि इंजीनियर सत्येंद्र विद्रोही (प्रदेश अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी), एडवोकेट सुरेंद्र बारमाटे (प्रदेश महासचिव ऑल इंडिया समता सैनिक दल मध्य प्रदेश),विशेष अतिथि अमित बसोड़ (प्रदेश महासचिव ए एस पी), वीरेंद्र शिंदे प्रदेश महासचिव भीम आर्मी, रितेश बोरकर (जिला अध्यक्ष भीम आर्मी बालाघाट),निलेश बौद्ध (जिला अध्यक्ष ए एस पी बालाघाट), संजय पाटिल (ट्रस्टी शांतिवन चिचोली नागपुर),सौरभ लोधी प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी महासभा ,कपिल मेश्राम सभापति नगर परिषद कटंगी ,संजय शेंडे (अध्यक्ष डॉ अंबेडकर जयंती समारोह कटंगी) विशिष्ट अतिथि -दलित मेश्राम अध्यक्ष तहसील बौद्ध संघ तहसील तिरोड़ी, प्रदीप ऊके सचिव बौद्ध संघ तहसील तिरोड़ी ,महेंद्र हिरक्ने अध्यक्ष बौद्ध संघ कटंगी, प्रियंका परते जिला पंचायत सदस्य, प्रकाश ऊके जिला पंचायत सदस्य, विकास खांडेकर अध्यक्ष समता सैनिक दल ,जगदीश रावत तहसील अध्यक्ष समता सैनिक दल तिरोड़ी, रामचंद्र मेश्राम अध्यक्ष बौद्ध संघ सर्कल नांदी , आचार्य चितरंजन वासनिक , डॉ आशीष बोरकर ,भोजराज वासनिक ,गजेंद्र ऊके , भगवान दास खोबरागड़े, ,आनंद ऊके, लखन मेश्राम पत्रकार सम्माननीय अतिथिगण - शैलेंद्र चौकसे पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत कटंगी, चैनलाल तुरकर सरपंच ग्राम पंचायत नांदी ,रहीम खान उप सरपंच ग्राम पंचायत नांदी ,भूपेंद्र चौकसे पूर्व सदस्य जनपद पंचायत कटंगी , महेश अग्रवाल पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत नांदी, श्रीमती सर्वेसती विशेष बिसेन सरपंच ग्राम पंचायत सुंदर , की उपस्थिति में होगा संपन्न! आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष वासनिक ने जारी बयान में बताया कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में सम्पूर्ण म प्र में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा का सम्मान किया जायेगा की अम्बेडकरी आंदोलन

के योद्धा एड चंद्रशेखर आजाद सांसद के प्रमुख सहयोगी ओबीसी नेता दामोदर यादव का बालाघाट की सरजमी नांदी में प्रथम मर्तबा आगमन हो रहा है संतोष वासनिक ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी की कार्यक्रम में प्रात 3 बजे भव्य रैली 5बजे परम पूज्य डॉ बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण 7बजे मंचीय उद्बोधन रात्रि 10 बजे राष्ट्रीय प्रबोधनकार फैजान ताज की होगी कव्वाली आयोजक समिति - संतोष वासनिक अध्यक्ष, प्रशिक ऊके, शैलेश के वासनिक उपाध्यक्ष, विनोद मासुल्कर सचिव ,सुधीर रामटेक ,साहिल वासनिक सहसचिव, संजय भीमटे कोषाध्यक्ष ,आकाश ऊके बोमबर्दे संरक्षक, आयोजन समिति के सचिव विनोद मासूलकर ने जारी बयान मे बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दामोदर यादव मंडल, कार्यक्रम के अध्यक्ष अधिवक्ता डॉ संजय खोबरागड़े एवं कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि इंजीनियर सत्येंद्र विद्रोही एड सुरेन्द्र बारमाटे सहित अन्य अतिथि गण परम पूज्य डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर 6 फिट की प्रतिमा का अनावरण करेंगे समिति के द्वारा कार्यक्रम में शरीक बौद्ध उपासक उपासिकाओं को भोजन दान प्रदान किया जाएगा कार्यक्रम में अधिक से अधिक तादाद में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं ।

नेवरगॉव पेट्रोल पंप के पास बस हादसा, बड़ी दुर्घटना टला

वारासिवनी। लालबर्रा से वारासिवनी की ओर आ रही मॉ भवानी ट्रेवल्स की बस नेवरगॉव वा पेट्रोल पंप के पास हादसे का शिकार हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल की दोपहर लगभग एक बजे भवानी ट्रेवल्स की बस लालबर्रा से वारासिवनी आ रही थी। जब वह ग्राम नेवरगॉव वा के समीप पहुॅची, तभी अचानक एक बाईक सवार अचानक बस के सामने आ गया। उस बाईक सवार को बचाने के प्रयास में बस चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे बस ने एक चार पहिया वाहन कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद अनियंत्रित बस सडक़ किनारे के पोल से जा टकराई। हालांकि चालक की सूझबूझ और तत्परता के चलते बड़ा हादसा टल गया। बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल रहा। फिलहाल सभी यात्रा सुरक्षित है।

गर्मी की छुट्टियां होंगी उपयोगी, सरस्वती शिशु मंदिर लांजी का समर कैंप बच्चों की प्रतिभा को देगा नई उड़ान

हरिभूमि न्यूज लांजी।

गर्मी की छुट्टियों को केवल आराम तक सीमित न रखकर बच्चों की रचनात्मक क्षमता और कौशल विकास से जोड़ने की पहल सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी द्वारा की जा रही है। विद्यालय में 1 मई से 5 मई 2026 तक पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 9 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि वर्तमान समय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए केवल पाठ्य पुस्तकों का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। ऐसे में समर कैंप बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का एक बेहतर माध्यम साबित होगा। शिविर के दौरान विद्यार्थियों की रुचि के अनुरूप कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

समर कैंप में खेलकूद, चित्रकला, संगीत, कंप्यूटर प्रशिक्षण, विज्ञान आधारित गतिविधियां और स्थानीय लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम शामिल किए गए हैं। इन गतिविधियों के जरिए बच्चों को नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा, साथ ही उनकी रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।विद्यालय के शिक्षकों द्वारा बच्चों को गतिविधियों में मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि वे अपनी रुचियों के अनुसार बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि समर कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना है। इस तरह के आयोजन बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय ने अभिभावकों से अधिक से अधिक बच्चों को समर कैंप में शामिल कराने की अपील की है, ताकि वे छुट्टियों का सदुपयोग कर अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकें।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्रों ने किया सिविल अस्पताल लांजी का शैक्षणिक भ्रमण

स्वास्थ्य नीतियों, NHM व परिवार नियोजन की दी गई जानकारी, अस्पताल के सभी विभागों से कराया गया अवगत

हरिभूमि न्यूज लांजी। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित समाज कार्य में स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने 24 अप्रैल को सिविल अस्पताल लांजी का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे के नेतृत्व में कराया गया।

विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अक्षय उपराडे की उपस्थिति में नर्सिंग ऑफिसर राजेश्वरी नारनौरे ने छात्रों को मध्यप्रदेश शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की स्वास्थ्य नीति, परिवार नियोजन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को किफायती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उपलब्ध होती हैं, इसकी जानकारी दी।

भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को रोगी कल्याण समिति की भूमिका, सेंट्रल लैब, उमंग स्वास्थ्य केंद्र, सोनोग्राफी सेंटर, एक्स-रे विभाग, दवाई वितरण केंद्र, रक्त कोष, एचआईवी संबंधित परामर्श केंद्र, रिकॉर्ड रूम, नेत्र विभाग, क्षय रोग विभाग, मलेरिया विभाग, फिजियोथैरेपी केंद्र, आयुष्मान केंद्र व पोषण पुनर्वास केंद्र से रूबरू कराया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता संदीप कुमार रामटेककर, अशोक घरते, विजय हटीले, श्रीमती ज्योति शकरपुडे, नीलेश्वर ठाकरे सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शैक्षणिक भ्रमण में सिविल अस्पताल लांजी के संपूर्ण स्वास्थ्य अमले का सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज कटंगी। तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के पठार अंचल के ग्राम दिग्धा में अखिल अम्बेडकरवादी बुद्धिस्ट युथ फेडरेशन और ग्रामीण बौद्ध संघ के सानिध्य में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। दिग्धा के सभामंच में शुक्रवार की शाम 06 बजे में संविधान शिल्पकार डॉ बाबा साहब अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष पूजा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने वाले छात्रों को स्थानीय क्रिएटर (यूट्यूबर) को एबीवाईएफ की टीम द्वारा शील्ड प्रदान किया गया। अतिथियों ने बाबासाहेब के जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए। जिससे युवाओं को बाबासाहेब के मूल मंत्र संगठित रहो, संघर्ष करो और शिक्षित बनो से युवाओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अखिल अम्बेडकरवादी बुद्धिस्ट युथ फेडरेशन, ग्रामीण बौद्ध संघ, सावित्री बाई फुले महिला संगठन का अहम योगदान रहा।

खबर संक्षेप

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026: 26 अप्रैल को जिले के 07 परीक्षा केंद्रों पर होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा वर्ष 2026 का आयोजन दिनांक 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को प्रदेश के समस्त संभाग एवं जिला मुख्यालयों पर ओएमआर पद्धति से किया जाएगा। यह परीक्षा दो सत्रों में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 02.15 बजे से 04.15 बजे तक आयोजित होगी। जिले में कुल 07 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

परीक्षा को निर्विघ्न, सुव्यवस्थित एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से नवीन त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है। इसके अंतर्गत बायोमेट्रिक सत्यापन, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग तथा एचएचएमडी एवं भौतिक तलाशी (फ्रिस्किंग) की व्यवस्था की गई है। निर्देशों के अनुसार सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 90 मिनट पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की सूची प्रदर्शित की जाएगी, जिसका पालन सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य रहेगा।

दो किसानों के घर नरवाई की चपेट मे आने से बचाया

हरिभूमि न्यूज सिवनी। खेतों में जलाई जा रही नरवाई एक बार फिर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती थी, लेकिन वन विभाग की समय पर कार्रवाई से बड़ा नुकसान टल गया। मामला केवलारी तहसील के ग्राम पीपरदौन का है, जहां दो किसानों के घर आग की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। मिली जानकारी के अनुसार, पीपरदौन निवासी अमान सिंह कुशराम और खुमान सिंह कुशराम के खेतों में लगी नरवाई की आग तेज हवा के कारण तेजी से उनके घरों की ओर बढ़ रही थी। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव वानखेड़े ने तत्काल कार्रवाई करते हुए केवलारी परिक्षेत्र के प.स. सरोज उइके और बीट प्रभारी अर्पित मिश्रा को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए।

सर्ववर्गीय ब्राह्मण समाज बरघाट में जयंती संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद सिवनी का हुआ सम्मान

बरघाट - जिले के सबसे पुराने संगठन सर्ववर्गीय ब्राह्मण समाज बरघाट में भगवान परशुराम जयंती भक्ति भाव व मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुई । संगठन मंत्री संजय तिवारी ने बताया की सर्ववर्गीय ब्राह्मण समाज बरघाट में 20 अप्रैल को जयंती मनाई गई । नगर के शारदा मंदिर शांति नगर में सुबह 10 बजे पंडित सुरेश मिश्रा द्वारा शास्त्रीय विधि से भगवान परशुराम जी पूजन महिला अध्यक्ष श्रीमती सोनाक्षी शर्मा सहपति के यजमान द्वारा संपन्न हुआ ।

कतिया समाज के सम्मेलन में विधायक प्रतिनिधि ने किया प्रतिनिधित्व - कौशले

हरिभूमि न्यूज सिवनी। राजश्री पैलेस,सिवनी में मध्यप्रदेश कतिया समाज संस्था पंजीयन क्रमांक - 10277 द्वारा युवक,युवती परिचय व सम्मेलन हुआ,जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण कुमार आम्रवंशी,पिपरिया विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी के मुख्यआतिथ्य में सम्पन्न हुआ,जिसमें समाज पूर्व राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव सह प्रभारी जबलपुर संभाग एड.सुनील डोंगरे कार्यक्रम में शामिल हुआ एवं सिवनी जिलाध्यक्ष कृष्णकुमार डोंगरे,नगर अध्यक्ष दयाराम (बबलू पहलवान) और जिलाकारीकरणी ने सिवनी विधायक श्री दिनेश मुनमुन राय को कार्यक्रम में अतिथि की ओर से आमंत्रित किया गया था किन्तु कार्यक्रम की तिथि में पूर्व गृहमंत्री,मध्यप्रदेश शासन नरोत्तम मिश्रा के आगमन कार्यक्रम में व्यस्त होने की वजह से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए।

अज्ञात कारणों से लगी आग में मजदूर का आशियाना राख में तब्दील, ग्राम मऊ में भीषण अग्निकांड, लाखों का नुकसान

राकेश अगरवार। हरीभूमि बरघाट। एक ओर तो जहां भीषण गर्मी ने आम जनों का जीना दुश्वार कर दिया है तो वहीं ग्रामीण अंचलों में अज्ञात कारणों से लगने वाली आग पर मुश्किल से भी आगजनी होने पर काबू नहीं पाया जा सकता है क्योंकि फायर ब्रिगेड की वर्षों से भारी कमी से जूझता आदिवासी विधानसभा बरघाट ना जाने कब उभर पाएगा ।

ग्राम मऊ में आज एक हृदय विदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया, पिपर टोला निवासी मजदूर अशोक बघेल का कच्चा-पक्का मकान अचानक भीषण आग की चपेट में आ गया, देखते ही देखते लपटों ने पूरे घर को अपनी गिरफ्त में ले लिया और कुछ ही मिनटों में आशियाना जलकर राख में तब्दील हो गया, घर में रखा दैनिक उपयोग का सामान, अनाज, कपड़े, बिस्तर, जरूरी दस्तावेज और गृहस्थी का पूरा सामान आग में स्वाहा हो गया, प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

आग की लंबी लपटें उठीं तो मच गई अफरा-तफरी

प्रत्यक्षदर्शियों और ग्राम पंचायत मऊ सरपंच राजेश गौतम के अनुसार आग अचानक भड़की और तेजी से फैलती चली गई, आसपास के ग्रामीण बाल्टियों और पानी के टैंकरों के सहारे आग बुझाने में जुट गए, लेकिन तेज हवाओं के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, घटना की सूचना मिलते ही ग्राम सरपंच राजेश गौतम ने तत्काल बरघाट थाना को फोन कर फायर ब्रिगेड बुलवाई, लेकिन सवाल यह है कि जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, तब तक सबकुछ जलकर राख हो चुका था।

फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक सबकुछ खाक, वर्षों से लंबित मांग पर फिर उठे सवाल लंबी दूरी तय करते तक सबकुछ जलकर हो जाता हैं स्वाहा सिर्फ ब्लाक बरघाट में है वर्षो से सिर्फ दो फायर ब्रिगेड

फायर ब्रिगेड की देरी ने बढ़ाया नुकसान

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरघाट क्षेत्र में वर्षों से स्थायी फायर ब्रिगेड की मांग उठती रही है, यदि समय पर दमकल वाहन पहुंचता तो शायद इतना बड़ा नुक सान टाला जा सकता था, ग्रामीणों का आरोप है कि हर बार आश्वासन तो मिलता है, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्था अब तक अधूरी है।

गरीब मेहनतकश परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

अशोक बघेल मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, मेहनत की कमाई से जो कुछ जोड़ा था, वह एक ही झटके में राख हो गया, परिवार अब खुले आसमान के नीचे आ गया है, ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल आर्थिक सहायता, राशन सामग्री और पुनर्वास की मांग की है, कब पूरी होगी बरघाट में फायर ब्रिगेड की मांग? यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है, बरघाट में स्थायी फायर स्टेशन कब बनेगा?आपात कालीन सेवाएं समय पर क्यों नहीं पहुंच पार्ती?

क्या हर बड़ी घटना के बाद ही प्रशासन जागेगा? ग्राम मऊ की यह घटना प्रशासन के लिए चेतावनी है कि यदि अब भी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में और भी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

क्या थमाया जायेगा झुनझुना

पीड़ित परिवार को तत्काल राहत राशि दी जाए,अस्थायी आवास और भोजन की व्यवस्था की जाए,बरघाट क्षेत्र में स्थायी फायर ब्रिगेड की स्थापना शीघ्र की जाए,अग्नि सुरक्षा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जाए,ग्राम मऊ की राख से उठता यह सवाल अब पूरे बरघाट क्षेत्र की आवाज बन चुका है, आखिर कब तक इंतजार? यह खबर आज के अंक की सबसे बड़ी और प्रमुख खबर के रूप में प्रकाशित की जा रही है, ताकि जिम्मेदार तंत्र तक इस दर्द की गूंज स्पष्ट रूप से पहुंचे। अगर धारना कलां क्षेत्र में तो आगजनी होने पर काबू पाए जाने की संभावना हो सकती है क्योंकि अधिक दूरी से फायर ब्रिगेड पहुंचने तक सबकुछ जल कर राख हो जाता हैं।

सडक़ हादसे में मजदूर की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के केवलारी थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात सडक़ हादसे में एक मजदूर व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, देर रात सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम चौरापाठा के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने दो बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की मदद से घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल केवलारी पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि रेलवे रैक पॉइंट केवलारी में मजदूरी करने के बाद तीन लोग एक बाइक से अपने गांव सुनेहरा लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से एक अन्य बाइक सवार, जो ग्राम सांवरी से सिरोली की ओर जा रहा था, चौरापाठा के पास पहुंचा ही था कि अचानक सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में संदीप नंदा (40) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रोहित मांवरे (35), संदीप उइके (34) और भैयालाल पूसाम (40) गंभीर रूप से घायल हो गए।

उपज लेकर खड़े किसान, भाड़ा और समय दोनों हो रहे बर्बाद

खरीदी केंद्र प्रभारी ने वेयर हाउस संचालक पर लगाए गंभीर आरोप, किसानों की बढ़ी परेशानी

सहकारी समिति सीलादेही द्वारा संचालित गेहूं खरीदी केंद्र बाघराज में व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर विवाद सामने आया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

केंद्र प्रभारी द्वारा वेयर हाउस संचालक पर लगाए गए आरोपों के चलते खरीदी कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, दिवाकर वेयर हाउस में 15 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू की गई थी, लेकिन पिछले दो दिनों से खरीदी पूरी तरह बंद है। खरीदी केंद्र प्रभारी भीकम सनोदिया ने बताया कि वेयर हाउस संचालक द्वारा हमालों (मजदूरों) से आधार कार्ड मांगा जा रहा था तथा यह भी कहा गया कि यदि तौल में कमी या बोरी में गड़बड़ी हुई तो उसकी भरपाई हमालों से कराई जाएगी। इस शर्त से नाराज होकर हमालों ने 22 अप्रैल से काम पर आना बंद कर दिया, जिसके चलते खरीदी कार्य ठप हो गया। वहीं, समिति के प्रशासक सुरेंद्र बघेल ने बताया कि प्रबंधक द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि बिहार से हमाल बुलाए गए हैं और भोजन के बाद तुलाई शुरू होगी, लेकिन मौके पर पहुंचने पर कोई भी हमाल मौजूद नहीं मिला। इस संबंध में प्रभारी ने कहा कि हमाल नागपुर से आ रहे हैं और जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा। स्थिति यह है कि वेयर हाउस के बाहर से गुजरने वाले एनएच-44 पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतार लग गई है। करीब 30 से अधिक ट्रैक्टर सडक़ किनारे खड़े हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है और विशेषकर रात के समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। बताया गया कि 15 अप्रैल से 23 अप्रैल तक महज 3 हजार क्विंटल गेहूं की ही खरीदी हो सकी है, जिससे किसान अपनी उपज की तुलाई को लेकर चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि वे 4 से 5 दिनों से अपनी उपज लेकर खरीदी केंद्र पर खड़े हैं। कई किसान किराए के ट्रैक्टरों में अनाज लेकर पहुंचे हैं, जिससे उनका खर्च लगातार बढ़ रहा है। यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

केंद्र में बड़े कांटे (वजन मशीन) की उपलब्धता के बावजूद तुलाई नहीं किए जाने पर प्रभारी ने बताया कि उच्च अधिकारियों द्वारा इसका उपयोग करने से मना किया गया है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और किसानों को कब तक राहत मिल पाती है।

शादी समारोह में विवाद के बाद चली गोली, युवक गंभीर घायल

सिवनी जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के ग्राम बरेली में गुरुवार रात शादी समारोह में विवाद के बाद गोली चल गई। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जानकारी के अनुसार, घंसौर क्षेत्र के मोहगांव निवासी कपिल परते बारात में नाच रहा था। इसी दौरान उसके पास रखा देशी कट्टा नीचे गिर गया। बरेली निवासी अच्छेलाल ने कट्टा उठा लिया और सार्वजनिक कार्यक्रम में हथियार लाने पर आपत्ति जताई, जिससे दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।आरोपी ने कट्टा छीनकर फायर किया विवाद के दौरान कपिल का साथी शिवा उर्फ क्षितिज कुसराम भी मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि कपिल ने कट्टा छीनकर अच्छेलाल पर फायर कर दिया। गोली अच्छेलाल के सिर को छूते हुए निकल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत घंसौर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। टीआई बोले-साथी को गिरफ्तार कर लिया है

किंदरई थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि पुलिस ने घेराबंदी कर सह-आरोपी शिवा उर्फ क्षितिज कुसराम (निवासी जबलपुर) को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी कपिल परते अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनआरएलएम सखी ने नोडल अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप, बैंक में अभद्रता व धमकी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कुरई विकासखंड अंतर्गत ग्राम कटंगी बंजर (चौकी बादलपार, थाना कुरई) की निवासी 28 वर्षीय धनवती धुर्वे, जो राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में कृषि सखी के रूप में कार्यरत हैं, ने अपने ही नोडल अधिकारी राकेश जोलदेव पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़िता धनवती धुर्वे ने लिखित शिकायत में बताया कि मोगली सीएलएफ केनोडल अधिकारी राकेश जोलदेव लंबे समय से उन पर बुरी नजर रखते थे और काम के बहाने कार्यालय बुलाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने गोपालगंज स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में उनका खाता बंद करा दिया। धनवती के अनुसार 13 अप्रैल 2026 को जब वह बैंक में पैसे निकालने पहुंचीं तो उन्हें जानकारी मिली कि उनका खाता बंद कर दिया गया है। इसी दौरान बैंक में मौजूद राकेश जोलदेव से जब उन्होंने इस संबंध में पूछा, तो उसने कथित रूप से सभी के सामने गंदी गालियां दीं। विरोध करने पर आरोपी ने उन्हें धक्का दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने बताया कि उसी दिन उन्होंने अपनी बहन सुमन के साथ लखनवाड़ा थाना पहुंच कर संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

लखनादौन गैस एजेंसी पर अनियमितताओं के आरोप पर्ची कटने के बाद भी उपभोक्ताओं को नहीं मिल रही गैस

पर्ची कटती रही, चूल्हे ठंडे रहे, लखनादौन में गैस व्यवस्था पर गहराता संदेह?

हरिभूमि संवाददाता मुकेश साहू। जहां एक तरफ सरकार उज्ज्वला योजना के जरिए हर घर तक गैस पहुंचाने की बात करती है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है गैस एजेंसी में दलाली का खेल खुलकर सामने आ रहा है, और आम जनता परेशान होकर दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है"

लखनादौन की तस्वीर इन दिनों व्यवस्था और वास्तविकता के बीच खाई को साफ दिखा रही है। कागजों में गैस की सप्लाई नियमित है, पर्चियां समय पर कट रही हैं, लेकिन जमीनी सच यह है कि उपभोक्ताओं के घरों तक गैस पहुंच ही नहीं रही। यह केवल असुविधा नहीं, बल्कि व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सीधा प्रश्न है। यहां लोग रात के अंधेरे में, सुबह 3 बजे से ही लाइन में लग जाते हैं। सिलेंडर रखकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं—इस उम्मीद में कि आज शायद गैस मिल जाए। लेकिन जब

घंटों बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है, तो यह सिर्फ निराशा नहीं, बल्कि एक व्यवस्था से टूटता भरोसा है।

अप्रैल की 6–7 तारीख की पर्चियां अब तक अधूरी कहानी बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं कि गैस देर से मिल रही है, सवाल यह है कि जब रिकॉर्ड में सप्लाई पूरी है, तो वितरण में यह कमी क्यों? आखिर वह गैस कहां जा रही है, जो कागजों में "वितरित" हो चुकी है, लेकिन उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची?

जमीनी चर्चाएं इस सवाल को और गंभीर बना देती हैं। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि घरेलू गैस सिलेंडर कथित रूप से 1500 से 2000 रुपये तक में होटल और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल हो रहे हैं। यदि इसमें सच्चाई है, तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि उस आम नागरिक के अधिकारों का हनन है, जो अपने हिस्से की गैस के लिए लाइन में खड़ा है।

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है

क्या यह केवल प्रबंधन की लापरवाही है? या फिर वितरण तंत्र में कहीं गहरी खामी है? या ऐसा कोई तंत्र विकसित हो चुका है, जहां आम उपभोक्ता आखिरी प्राथमिकता बन चुका है? सार्वजनिक वितरण प्रणाली की असली कसौटी यही है कि वह अंतिम व्यक्ति तक अपनी सेवा पहुंचा सके। लखनादौन में यह कसौटी फिलहाल अधूरी नजर आ रही है। अब जरूरत है केवल आश्वासन की नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्रवाई की। संबंधित विभागों को चाहिए कि पूरे वितरण तंत्र की गहन जांच करें रिकॉर्ड और वास्तविक वितरण का मिलान करें, और यदि कहीं भी अनियमितता या मिलीभगत पाई जाए, तो सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें।

क्योंकि यह मामला केवल गैस सिलेंडर का नहीं है

यह उस भरोसे का है, जो जनता हर पर्ची के साथ सिस्टम पर करती है। और जब यही भरोसा टूटने लगे, तो सवाल और तेज हो जाते है जब पर्ची कट गई तो गैस आखिर गई कहां?"

मोहबर्रा में गहराया पानी का जल संकट

भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से झूझते ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के अंतर्गत विधानसभा केवलारी मुख्यालय के उगली उप तहसील से महज 2 किलोमीटर की दूरी मोहबर्रा ग्राम पंचायत जो जनसंख्या के दृष्टिकोण से एक बड़ी पंचायतों में शुमार है, जहां विगत दिनों से पानी की भीषण समस्या बनी हुई है, ग्रामीणों को ना पीने का जल उपलब्ध हो रहा है, बल्कि भीषण जल संकट के अभाव में ग्राम पंचायत भी अपने स्तर पर सुविधाओं को देने में जद्दोजहद करती नजर आ रही है, इस संदर्भ में ग्राम पंचायत मोहबर्रा की सरपंच महोदया, उप सरपंच और सचिव और ग्रामीणों से जब क्षेत्रीय संवाददाता रूबरू हुए तो जानकारी लगी की, मोहबर्रा ग्राम में एक दिन के अंतराल में नल जल की सप्लाई के आधार पर पानी की उपलब्धता की जा रही है, पहले ऐसा नहीं होता था, जिस पानी की टंकी को भरने का स्रोत है, वहां एक बगाड़ी कुआं से नियमित जलापूर्ति होती थी, उसके निकट के किसानों के द्वारा नजदीक बोरिंग करवाया गया हैं, जिन्होंने रवि की फसलें लगा रखे हैं, जिसके आधार पर गहरे बोरवेल का उत्खनन हुआ है, जहां लगातार 24 घंटे रवि की फसल के लिए किसानों की मोटर चलती हैं,जिससे इस बगाड़ी कुआं का जलस्तर गिर चुका है, एक जमाने में इस बगाड़ी कुआं मोहबर्रा और आसपास के क्षेत्र के लिए वरदान साबित होती थी, लेकिन गहरे नलकूप खनन, बोरवेल्स के कारण पानी का जलस्तर लगभग समाप्त हो चुका है, जिसके आधार पर एक दिन के अंतराल में पानी की उपलब्धता करवाई जा रही है, जिसको लेकर मोहबर्रा ग्राम में जल संकट गहराया हुआ है, वर्तमान में सुखा जल अभाव ग्रसित सिवनी जिला को विगत 15 मार्च से कलेक्टर महोदय के द्वारा किया गया है, जिसके आधार पर नल जल के खनन बोरिंग जिले में प्रतिबंधित भी है, लेकिन वर्तमान समस्या को देखते हुए ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत का कहना है, कि शासन प्रशासन माननीय कलेक्टर महोदया,तहसीलदार, एसडीएम महोदय यदि नलकूप खनन की परमिशन दे देते हैं, तो कुआं के निकट एक बोर करवा कर इस समस्या का निवारण किया जा सकता है, अभी अप्रैल माह का दूसरा पखवाड़ा ही है, और पूरा मईऔर जून बाकी है, हिंदू महीने के अनुसार इस बार दो जेठ भी पड़ेंगे और भीषण गर्मी से जूझना पड़ेगा, मानसून के आने से पूर्व दिनों दिन बढ़ते टेंपरेचर के कारण पानी की समस्या और भी भीषण और गंभीर होने वाली है, कृपया शासन प्रशासन मोहबर्रा ग्राम की ओर अपना ध्यान आकर्षण करके शीघ्र विकल्प के तौर पर नलकूप खनन की परमिशन देते हैं, तो इस समस्या से राहत मिल सकती है,ऐसा ग्रामीणों का कहना है।

जिला ब्राह्मण समाज द्वारा आदि शंकराचार्य जयंती मनाई गई

भारतवर्ष में सांस्कृतिक एकता ,आदि शंकराचार्य की देन है- पं. ओमप्रकाश तिवारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला ब्राह्मण समाज के तत्वावधानधान में नंदीकेश्वर धाम ,सिवनी स्थित, श्री माता राजराजेश्वरी एवं श्री परशुराम भगवान सिद्ध मंदिर में ,आदि शंकराचार्य की जयंती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। जिला ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सर्वश्री, पं.दिलीप तिवारी जी ,की अध्यक्षता में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में ,शंकर अवतार भगवान आदि शंकराचार्य का विधि विधान से पूजन अर्चन कर प्रसाद वितरण किया गया । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में (फोटो चित्रों में दृष्टव्य) ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी ,वरिष्ठ जन, एवं माता बहनों की उपस्थिति रही। आदि शंकराचार्य जयंती के उपलक्ष में आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए, पूर्व अध्यक्ष पंडित ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि, भारतवर्ष में सांस्कृतिक एकता, आदि शंकराचार्य की देन है । ने श्री तिवारी ने आदि गुरु शंकराचार्य का जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए ,उनके द्वारा सनातन धर्म की पुनर्प्रतिष्ठा, तत्कालीन समय में नास्तिक तथा अर्वेदिक मत-मतान्तरों का शास्त्रार्थ के माध्यम से खण्डन तथा सनातन धर्म को एकता के सूत्र में बांधने हेतु देश में चार वैदिक मठों की स्थापना के आद्वतीय कार्यो का विस्तार से उल्लेख किया। आदि शंकराचार्य द्वारा वेदों पर आधारित अद्वैत दर्शन संपूर्ण मानवता के कल्याण का दीप स्तंभ है। पूजन एवं संगोष्ठी में जिला ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सर्वश्री ,पं.दिलीप तिवारी ,पूर्व अध्यक्ष पंडित ओमप्रकाश तिवारी ,महासचिव पंडित प्रशांत शुक्ला ,नगर अध्यक्ष पंडित अशोक तिवारी, महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती अरविंदजा दुबे ,जिला संयोजिका श्रीमती शकुंतला तिवारी, युवा शाखा अध्यक्ष अखिलेश चंकी पांडे ,परशुराम वाहिनी अध्यक्ष पं.सूर्यकांत चतुर्वेदी ,जिला कार्य समिति के दायित्ववान पदाधिकारी गण, पंडित जगल दुबे ,पंडित संदीप दुबे, पंडित राजेंद्र शर्मा, पंडित सुरेश दुबे जी, महिला शाखा की दायित्व मातृ-शक्ति श्रीमती मंजूलता दुबे, श्रीमती दुर्गेश्वरी शर्मा, श्रीमती नीतू दुबे ,श्रीमती शुभ्रा शर्मा, श्रीमती सुषमा तिवारी ,सहित अन्य सामाजिक जनों की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

शराब दुकान का विरोध कर रही महिलाओं को धमका रहे हैं ठेकेदार और आबकारी : विधायक अनुभा मुंजारे

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के वार्ड क्रमांक 25 में स्थानांतरित शराब दुकान को रिहायशी इलाके में खोले जाने के विरोध में महिलाएं पखवाड़े भर से अधिक समय से आंदोलन कर रही हैं। महिलाएं दिन-रात दुकान न खुले, इसकी निगरानी कर रही हैं। शुक्रवार को आबकारी अमला और ठेकेदार दुकान पर पहुंचे और पंचनामा तैयार किया।

इस दौरान आबकारी विभाग के एक कर्मी ने कहा, 'माल तो आएगा, माल को छेड़ेंगे, उसी पर एक्शन होगा।' कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने इसे धमकी बताते हुए विरोध किया। उन्होंने ठेकेदार को भी बात करने का लहजा सुधारने को कहा।

विधायक अनुभा मुंजारे ने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग और ठेकेदार शांतिपूर्ण विरोध कर रही महिलाओं को धमका रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की बात करती है, वहीं दूसरी ओर बालाघाट में महिलाओं को शराब दुकान खोलने के लिए धमकाया जा रहा है। उन्होंने जनता के अपमान पर भविष्य में जनता की ताकत दिखाने की चेतावनी दी।

आबकारी उपनिरीक्षक रमाकांत बघेल ने धमकी देने से इनकार किया है। उन्होंने बताया कि वे प्रशासनिक निर्देश के तहत पंचनामा कार्रवाई करने पहुंचे थे। बघेल के अनुसार, जिला समिति की बैठक में कलेक्टर, एसपी, सीईओ और आबकारी अधिकारी ने दुकान खोलने का निर्णय लिया है।

आबकारी अमला दुकान के आसपास की सड़क और भूमि को विवादित मानने से इनकार कर रहा है। इसके विपरीत, भाजपा नेता सुरजीत सिंह ठाकुर ने रजिस्ट्री के सरकारी दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि कोर्ट में शासकीय दस्तावेज ही मान्य होते हैं।

नपाध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि कलेक्टर से मिलकर दुकान को हटाने की चर्चा की गई है। हमने प्रशासन को अन्यत्र जगह का सुझाव दिया है। जो वार्ड क्रमांक 24 में आती है। हमें विश्वास है कि जनहित में प्रशासन निर्णय लेगा।

बालाघाट में बाघ की संदिग्ध मौत वन विभाग ने दर्ज किया प्रकरण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के वन क्षेत्र में एक बाघ की मौत का मामला सामने आया है। घटना 23 अप्रैल 2026 को वनमण्डलाधिकारी उत्तर (सामान्य) वनमण्डल बालाघाट के अंतर्गत पूर्व बैहर वन परिक्षेत्र के जत्ता बीट के कक्ष क्रमांक 1618 में हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके को सुरक्षित कर लिया और आसपास के क्षेत्र में सघन जांच शुरू की। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी प्रक्रिया अपनाई गई। मृत बाघ का पोस्टमार्टम वन्यजीव विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. अमोल रोकडे द्वारा किया गया। प्रारंभिक जांच में बाघ के दांत को छोड़कर शरीर के अन्य सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे मामले को संदिग्ध माना जा रहा है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत बाघ के शव का अंतिम संस्कार (भस्मीकरण) वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान वनसंरक्षक सुश्री संध्या, वनमण्डल अधिकारी रेशम सिंह धुर्वे, उपवनमण्डल अधिकारी राकेश शाक्यवार, वनक्षेत्रपाल कंदर्भ भट्ट सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। पूरी कार्रवाई की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। वन विभाग ने इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 2561/82 दिनांक 23 अप्रैल 2026 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि बाघ की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

16 अप्रैल 2026 से अधिसूचना जारी, बालाघाट जिले के कंजई में भी हुआ संचालन प्रारंभ

प्रदेश में खनिज के अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए 40 ई-गेट शुरू

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मध्यप्रदेश में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा प्रदेशभर में 40 ई-चेक गेट शुरू किए गए हैं। इसी कड़ी में बालाघाट जिले के कंजई में भी ई-गेट का संचालन 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो गया है। इन ई-गेटों के माध्यम से रेत सहित अन्य खनिजों के परिवहन की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 में आवश्यक संशोधन किए जाने के बाद इन ई-चेक गेटों को संचालित किया गया है। यह पूरी तरह मानव-रहित प्रणाली है, जिससे खनिज परिवहन में लगी गाड़ियों की सतत निगरानी संभव हो सकेगी। उन्होंने बताया कि अब खनिज परिवहन में लगे सभी वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) टैग लगाना अनिवार्य होगा। यह टैग गाड़ी की फ्रंट विंडशील्ड पर लगाया जाएगा, जिससे ई-गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी स्वतः सिस्टम में दर्ज हो जाएगी। इससे ओवरलोडिंग, नंबर प्लेट छिपाने या अन्य प्रकार की गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी।

ई-चेक गेट में वेरीफोकल कैमरा, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर (ANPR) एवं RFID रीडर जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं, जो गाड़ी की संख्या, खनिज की मात्रा और वजन का स्वतः मिलान करेंगे। यदि ई-ट्रांजिट पास (ETP) में दर्ज जानकारी और वास्तविक परिवहन में अंतर पाया जाता है, तो संबंधित वाहन मालिक पर ऑनलाइन कार्रवाई की जाएगी।

उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने यह भी बताया कि ई चेक गेट जानकारी के आधार पर नियमों के उल्लंघन पर उस वाहन का पंजीयन निरस्त या निलंबित किया जा सकता है। साथ ही नियमों के उल्लंघन की स्थिति में कलेक्टर द्वारा वाहन जब्त करने के निर्देश भी दिए जा सकेंगे। ई-चेक गेट से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर खनिज परिवहन में अनियमितता पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही रॉयल्टी रसीद में दर्ज मात्रा से अधिक खनिज परिवहन पाए जाने पर भी सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ई-गेट प्रणाली के शुरू होने से खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा तथा पारदर्शिता और राजस्व वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

बिना अनुमति बोरिंग कराने पर कार्रवाई, मशीन जब्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट जिले में भू-जल स्तर को सुरक्षित रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की गई है। बालाघाट एसडीएम श्री गोपाल सोनी के निर्देशन में तहसील क्षेत्र के ग्राम तिलपेवाड़ा में बिना अनुमति बोरिंग कराए जाने पर संबंधित बोरिंग मशीन को जब्त कर लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तिलपेवाड़ा निवासी वल्लभ पिता नारुलाल दमाहे द्वारा बिना प्रशासनिक अनुमति के बोरिंग कराई जा रही थी। सूचना मिलने पर राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए बोरिंग मशीन को जब्त किया और उसे हट्टा थाने में खड़ा कराया गया है।

उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकाल में भू-जल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बिना अनुमति ट्यूबवेल एवं बोर खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

आदिवासी भूमि हस्तांतरण की सूची बनेगी, कलेक्टर के निर्देश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा ने जिले के सभी एसडीएम को अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों के बीच हुए भूमि हस्तांतरण और नामांतरण की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इस जांच के दायरे में कोविड काल से लेकर वर्तमान समय तक के जमीन क्रय-विक्रय के सभी दस्तावेज शामिल रहेंगे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि सात दिनों के भीतर यह सूची प्रशासन को प्रस्तुत करनी होगी।

यह आदेश उन शिकायतों के बाद जारी किए गए हैं जिनमें प्रॉपर्टी निवेशक आदिवासी वर्ग के लोगों को प्रलोभन देकर उनकी जमीनें कम कीमत पर खरीद रहे थे। बाद में इन जमीनों को ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध लाभ कमाया जा रहा था। प्रशासन अब इन सभी संदिग्ध बेनामी और आदिवासी संपत्ति से जुड़े लेनदेन की बारीकी से पड़ताल करेगा।

वारासिवनी क्षेत्र के तुमाड़ी निवासी गणेश कुंभरे के यहां आयकर विभाग की हालिया छापामार कार्रवाई के बाद यह मुद्दा गरमाया है। जांच में संकेत मिले थे कि गणेश कुंभरे को मोहरा बनाकर कई बड़े प्रॉपर्टी ब्रोकरों ने आदिवासियों की जमीनें खरीदी थीं। कलेक्टर के नए निर्देशों के बाद इस अवधि में कुंभरे द्वारा किए गए सभी भूमि सौदे भी जांच के दायरे में आएंगे।

राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने अन्य प्रशासनिक कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने उर्वरक वितरण ई-टोकन के माध्यम से करने, फार्मर रजिस्ट्री का काम शीघ्र पूरा करने और आरसीएमएस पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के तत्काल निराकरण के आदेश दिए। साथ ही नक्शा तरमीम, रिकॉर्ड दुरुस्ती और साइबर तहसील की प्रगति की भी जानकारी ली।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में देरी करने वाले कर्मचारियों के प्रति कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले पटवारियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में स्वामित्व योजना और अन्य जनहितकारी राजस्व सेवाओं को समय सीमा में पूरा करने पर बल दिया गया।

गेहूँ खरीदी के लिए 1351 किसानों ने कराया स्लॉट बुक

बालाघाट। रबी विपणन मौसम 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य शुरू कर दिया गया हैं। जिले में किसानो से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी के लिए 13 केंद्र बनाये गए है। इन केंद्रो पर 15 अप्रैल 2026 से खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। 24 अप्रैल तक जिले के 245 किसानों से 4470 क्विंटल गेहूँ की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। जिले के 4388 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए अपना पंजीयन कराया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इस पर शासन द्वारा 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस प्रकार किसानों को प्रति क्विंटल गेहूँ का दाम 2625 रुपए प्राप्त होगा। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए किसानों की स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। अब तक जिले के 1351 किसानों गेहूँ खरीदी के लिए स्लॉट बुक करा लिया है। निर्धारित तिथि के पश्चात स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया संभव नहीं होगी।

अंग्रेजी माध्यम कॉमर्स में नहीं दिया जा रहा प्रवेश

शासकीय सांदीपनि स्कूल में शुरू हुआ नया विवाद

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

बालाघाट जिले के विकासखंड कटंगी के शासकीय सांदीपनि विद्यालय में विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा हैं। अब नया विवाद कॉमर्स अंग्रेजी माध्यम की कक्षा 11वीं में विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिए जाने से जुड़ा हुआ है। इसी स्कूल से अंग्रेजी माध्यम से कक्षा दसवीं उत्तीर्ण करने वाले एक दर्जन से भी अधिक विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम कॉमर्स में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें एक तरह से हिंदी माध्यम से पढ़ाई करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इस पूरे मामले में स्कूल के प्राचार्य शैलेन्द्र गुप्ता का भी पक्ष सामने आया है। उन्होंने बताया कि स्कूल में कॉमर्स अंग्रेजी माध्यम के शिक्षक नहीं होने की वजह से यह निर्णय लिया गया है। विद्यार्थियों को हिंदी माध्यम में प्रवेश लेने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अंग्रेजी माध्यम की कक्षा को पढ़ाने वाली एक शिक्षिका का स्थानांतरण हो गया है। जिसके बाद से हिंदी माध्यम के शिक्षक ही अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों को पढ़ा रहे थे किंतु अब उन्होंने भी पढ़ाने से इनकार कर दिया है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या इस संबंध में उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से किसी प्रकार का पत्राचार किया है या अतिथि शिक्षक की नियुक्ति के लिए कोई कार्रवाई की है तो वह इस सवाल से बचते हुए नजर आए। विद्यार्थियों ने जिला शिक्षा अधिकारी के नाम प्राचार्य को ही एक ज्ञापन सौंपा है और शीघ्र ही अंग्रेजी माध्यम के शिक्षक की व्यवस्था कराने और प्रवेश दिलाने की मांग की है। बता दें आगामी 30 अप्रैल के बाद प्रवेश प्रक्रिया बंद हो जाएगी। विद्यार्थियों को इस बात का भी डर है कि कहीं उन्हें प्रवेश ही ना मिल पाए।

2 और 2, 4 होता है और टू प्लस टू फोर होता है : विद्यार्थियों ने बताया कि वह जब प्राचार्य के लिए अंग्रेजी माध्यम की कक्षा में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर पहुंचे तो प्राचार्य उन्हें हिंदी माध्यम की कक्षा में प्रवेश लेने के लिए कहने लगें। विद्यार्थियों के मुताबिक प्राचार्य ने हिंदी माध्यम की कक्षा में प्रवेश लेने के लिए पीछे तर्क दिया कि 2 और 2, 4 होता है और टू प्लस टू फोर होता है। इसलिए वह हिंदी माध्यम से अपनी पढ़ाई पूरी करें। प्राचार्य यह बात भले ही सहजता के साथ कह रहे हो परंत अंग्रेजी की जगह हिंदी से पढ़ाई कर लो और उनका दिया हुआ तर्क बेहद कमजोर और छात्रों के भविष्य को सीमित करने वाला है। कॉमर्स विषय की पढ़ाई कर व्यवसाय और प्रबंधन क्षेत्र में करियर बनाने वाले दर्जनों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ यह एक तरह का खिलवाड़ है। दरअसल, कॉमर्स संकाय से जुड़े अधिकांश उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम और पेशेवर परीक्षाएँ अंग्रेजी माध्यम में होती हैं। छात्रों को मजबूर करना कि वे हिंदी माध्यम चुनें, उनके प्रतिस्पर्धी अवसरों को कम करता है। स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग को इस तरफ ध्यान देते हुए तत्काल व्यवस्था बनाना चाहिए। क्योंकि शिक्षा में भाषा का चुनाव छात्र और अभिभावक का अधिकार है। संस्थान का काम विकल्प उपलब्ध कराना है, न कि उन्हें सीमित करना। मगर, सांदीपनि विद्यालय विद्यार्थियों को सीमित करने का काम कर रहा है।

कुएं के पानी में डूबने से मृत व्यक्ति की पत्नी को 4 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर

बालाघाट। बालाघाट तहसील के ग्राम कोसमी निवासी विकास उपवंशी की 11 दिसंबर 2025 को कुएं के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नी निशा उपवंशी को 04 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर निशा उपवंशी के बैंक खाते में 04 लाख रुपये की राशि ई-पेमेंट से शीघ्र जमा करायें।

महिला आरक्षण के बहाने परिसीमन थोपने की साजिश? मधु भगत का केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

परसवाड़ा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक ने महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर देश में परिसीमन थोपने की साजिश कर रही है, जो लोकतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है।

मधु भगत ने अपने बयान में कहा कि वर्ष 2023 में लागू किए जाने वाले परिसीमन को लागू करने के लिए लोकसभा की सीटों को 800 तक बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान 543 सीटों के ढांचे में ही परिसीमन प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। उनके अनुसार, सीटों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव अनावश्यक है और इसके पीछे राजनीतिक मंशा छिपी हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मुद्दे को महिला आरक्षण के साथ जोड़कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। भगत का कहना है कि महिला सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण विषय है, लेकिन इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए परिसीमन को अनिवार्य बताना एक सोची-समझी रणनीति है, जिससे विपक्ष की राजनीतिक ताकत को कमजोर किया जा सके।

विधायक ने यह भी कहा कि यदि वास्तव में सरकार महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती है, तो उसे बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण लागू करना चाहिए। परिसीमन को इसके साथ जोड़ना न केवल प्रक्रिया को जटिल बनाता है, बल्कि इससे देश की राजनीतिक संरचना में असंतुलन भी पैदा हो सकता है।

मधु भगत ने पारदर्शिता की मांग करते हुए केंद्र सरकार से स्पष्ट जवाब देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर परिसीमन की आवश्यकता क्यों है और इसे महिला आरक्षण से क्यों जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि इस मुद्दे पर स्पष्टता नहीं दी गई, तो यह जन असंतोष का कारण बन सकता है। उनके अनुसार, लोकतंत्र में इस तरह के बड़े निर्णय बिना व्यापक चर्चा और सहमति के नहीं लिए जाने चाहिए।इस मुद्दे पर कांग्रेस का नजरिया पारदर्शी है।वह महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, पर भाजपा जो कर करना चाहती है ये गलत है।

धरती आबा जनजाती ग्राम उत्कर्ष अभियान

बालाघाट जिले के 900 जनजातीय घरों में पहुंची रोशनी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। जिसका उददेश्य जनजातीय बहुल गाँवों के समग्र विकास किया जाना है। जिसके तहत बालाघाट जिले में धरती आबा जनजाती उत्कर्ष अभियान के तहत 1022 जनजाती घरों को निःशुल्क विधुत कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित है जिसके तहत वर्तमान में 900 घरों को निःशुल्क विधुत कनेक्शन प्रदान किये जा चुके है। जिससे जनजातीय परिवारों के घर बिजली से रोशन हो रहे है। और उनका जीवन स्तर सुधर रहा है। इस पहल से ना केवल जनजाती परिवरों के घर बिजली से चगमगा रहें है बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है। बिजली पहुंचने से बच्चों की पढ़ाई घरेलू काम काज और सूरक्षा व्यवस्था में काफी सूधार हुआ है। प्रशासन का लक्ष्य है कि शेष बचे घरों को भी जल्द ही इस योजना का लाभ देकर शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाये।